10/7/24

पत्रावली पेश हुई वकील वादी सहित
आवाज लगाई गई वादी हा० नहीं।
न्यायालय समय समाप्ति से पूर्व फिर से बार
बार आवाज लगाई गई फिर भी वादी
हा० नहीं लिहाजा मुकदमा अ० ए
हाजरी। अदम पैरवी में खारिज किया
जाता है पत्रावली फैसल शुमार होकर
नक्शा में दर्ज हो। एवं दाखिल दफ्तर हो